

# अलगुमुत्तुक्कोन

"मावीरन" अलगुमुत्तुक्कोन (मावीरन से तात्पर्य है शूरवीर। यह उपाधि, वास्तव में वीर और देशभक्त व्यक्तियों को प्रदान की जाती है।) का जन्म तमिलनाडु राज्य के टूटीकोरिन जिले में कोविलपट्टि के निकट कट्टालनकुलम में वर्ष 1710 में हुआ था। उनके पिता का नाम भी अलगुमुत्तु था और उनकी मां का नाम पक्किमाथम्मल था। उन्हें अलगुमुत्तुकोनार और सरवाईकरार (अर्थात् मुखिया अथवा जनता का सेवक) के नाम से जाना जाता था। भारत में अंग्रेजों के खिलाफ किए गए आरंभिक विद्रोहों में से एक विद्रोह की शुरुआत उनके द्वारा की गई थी।

तमिलनाडु में अंग्रेजों के प्रभुत्व की शुरुआत वर्ष 1750 में हुई थी। उन्होंने अरकोट के नवाब को पराजित किया और तिरुनेलवेली के लोगों से सीधे कर वसूल करने लगे। उन्होंने खान साहिब को तिरुनेलवेली के कमांडर के रूप में नियुक्त किया और उन्हें मदुरै और तिरुनेलवेली में कर एकत्र करने को प्राधिकार दिया। तदुपरांत, इस संबंध में एक सूचना इट्टायापुरम में भी भेजी गई। इट्टायापुरम के राजा, इट्टप्पानायकर-29 ने अलगुमुत्तुक्कोन के साथ मिलकर इस व्यवस्था की कड़ी आलोचना की और अंग्रेजों को कर अदा करने से इंकार किया।

तथापि, इट्टप्पानायकर-29 के चचेरे भाइयों में से एक भाई बूथलापुरम इट्टाया ने, इट्टायापुरम को जीतने में खान साहिब द्वारा उसे सहायता प्रदान किए जाने की शर्त पर, कर का भुगतान करने और अंग्रेजी शासन के अधीन रहने का प्रस्ताव दिया। खान साहिब ने इट्टायापुरम पर आक्रमण करके उसे अपने कब्जे में कर लिया और बूथलापुरम इट्टाया को इट्टायापुरम का राजा घोषित कर दिया। मावीरन अलगुमुत्तुक्कोन ने किसी प्रकार इट्टप्पातनायकर को जीवित बचाकर उन्हें पेरूनाझी प्रांत में सुरक्षित रखा।

बूथलापुरम इट्टाया बेहद भव्य जीवन व्यतीत कर रहे थे और इसलिए वे अंग्रेजों को कर अदा करने में असफल रहे। इसके फलस्वरूप उन्हें कैद कर लिया गया और इट्टप्पानायकर-29 के भाई कुरुमलैथुरई, जिसने कर का

भुगतान किया था, को इट्टायापुरम का नया राजा घोषित कर दिया गया।

भाई के षडयंत्र से अत्यंत दुःखी होकर इट्टप्पानायकर - 29 की मृत्यु हो गई। तत्पश्चात, मावीरन अलगुमुत्तुक्कोन ने पेरूनाझी में, उसके उत्तराधिकारी के रूप में, वेंकटेश्वर इट्टप्पार -30 का राज्याभिषेक किया।

तत्पश्चात, उन्होंने इट्टायापुरम के विजेताओं को परास्त करने के लिए एक सेना तैयार की। मावली और बेथानायकनूर के कई शूरवीर उनकी सेना में शामिल हो गए। उन्होंने उन्हें प्रशिक्षण दिया और उन्हें दो समूहों, एक समूह उनके अपने नेतृत्व में और दूसरे को वेंकटेश्वर इट्टप्पोर के नेतृत्व में, विभाजित किया।

शिवसंग्राम पिल्लवई को अलगुमुत्तुक्कोन की चाल के बारे में पता चल गया और उसने खान साहिब को खतरे के संबंध में चेतावनी दी। अलगुमुत्तुक्कोन की सेना जब बेथानायकनूर में विश्राम कर रही थी तो अर्धरात्रि के समय खान साहिब की सेना ने उन्हें घेर लिया।

255 सैनिकों के साथ मावीरन अलगुमुत्तुक्कोन को पकड़ कर बंदी बना लिया गया। जुलाई 1759 में, अलगुमुत्तुक्कोन के साथ कुछ सैनिकों को एक तोप से बांध कर मौत के घाट उतार दिया गया। तभी से, जुलाई की ग्यारह तारीख, मावीरन अलगुमुत्तुक्कोन के इस महान बलिदान के सम्मान सूचक के रूप में मनाई जाती है।

डाक विभाग अलगुमुत्तुक्कोन पर स्मारक डाक-टिकट जारी करते हुए प्रसन्नता का अनुभव करता है।

## आभार :-

मूलपाठ : प्रस्तावक द्वारा उपलब्ध कराई गई सामग्री पर आधारित

डाक-टिकट / : निनु गुप्ता  
प्रथम दिवस आवरण /  
विरूपण



## तकनीकी आंकड़े TECHNICAL DATA

मूल्यवर्ग	:	500 पैसा
Denomination	:	500 p
मुद्रित डाक-टिकटें	:	3.20 लाख
Stamps Printed	:	0.32 Million
मुद्रण प्रक्रिया	:	वेट ऑफसेट
Printing Process	:	Wet Offset
मुद्रक	:	प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद
Printer	:	Security Printing Press, Hyderabad

© डाक विभाग, भारत सरकार। डाक-टिकट, प्रथम दिवस आवरण। सूचना विवरणिका के संबंध में सर्वाधिकार विभाग के पास है।

© Department of Posts, Government of India. All rights respect to the stamp, first day cover and information brochure with the Department.

## Alagumuthu Kone

'Maveeran' Alagumuthu Kone (Maveeran means very brave person. 'Maveeran' is a title given to the people who are really brave and patriotic.) was born in 1710 in Kattalankulam, near Kovilpatti, Tuticorin District in the State of Tamilnadu. His father's name was also Alagumuthu and his mother was Pakkiyathammal. He also known as Alagumuthu Konar and Servaikarar (meaning Head or Service provider to public). He is known for having raised one of the first revolts against the British in India.

The domination of British in Tamilnadu began in the 1750s. They defeated the Nawab of Arcot and collected tax directly from the people of Tirunelveli. They had appointed Khan Sahib as a commander of Tirunelveli and authorized him to collect tax in Madurai as well as Tirunelveli. Following this, a communication in this regard was also sent to Ettayapuram. The King of Ettayapuram, Ettappanayakar-29 alongwith Alagumuthu Kone, condemned this act severely and refused to pay tax to the British.

However, Boothalapuram Ettayya, one of the cousins of Ettappanayakar-29, offered to pay the tax and serve under the control of British if Khan Sahib helped him conquer Ettayapuram. Khan Sahib attacked and captured Ettayapuram and announced Boothalapuram Ettayya as the King of Ettayapuram. Maveeran Alagumuthu Kone managed to save Ettappanayakar's life and kept him safely in the provinces of Perunazhi.

Boothalapuram Ettayya had a lavish lifestyle and was unable to pay the tax to the British. Consequently, he was imprisoned and Kurumalaithurai, the brother of

Ettappanayakar-29, who paid the tax, was declared the new King of Ettayapuram.

Ettappanayakar-29 died heartbroken at his brother's conspiracy. Thereafter, Maveeran Alagumuthu Kone crowned Venkateshwara Ettappar-30 as his successor in Perunazhi.

He then collected an army to defeat the conquerors of Ettayapuram. Many brave men from Maoli and Bethanayakanur joined his army. He trained them and segregated them into two groups one under his leadership and the other under Venkateshwara Ettappar.

Sivasangaram Pillai got to know of Alagumuthu Kone's moves and warned Khan Sahib the danger. Khan Sahib's men surrounded the army of Alagumuthu Kone at midnight during their stay at Bethanayakanur.

Alongwith 255 soldiers, Maveeran Alagumuthu Kone was captured and taken captive. Alagumuthu Kone, alongwith some others was tied to the mouth of a Canon and shot to death in July 1759. Eversince, the eleventh of July is celebrated to honour the Maveeran Alagumuthu Kone as a mark of respect for his supreme sacrifice.

Department of Posts is pleased to release a commemorative postage stamp on Alagumuthu Kone.

### Credits:-

Text : Based on the material received from proponent

Stamp/FDC/ : Nenu Gupta

Cancellation Cachet

भारतीय डाक विभाग  
DEPARTMENT OF POSTS  
INDIA



अलगुमुत्तुकोन ALAGUMUTHU KONE

विवरणिका BROCHURE